अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) कालावधारणं स्थितिः।

(ख) तच्च धर्माविनाभावि:।

(ग) निसर्गजं निमित्तजञ्च।

(घ) अध्यात्मलीनता अप्रमादः।

(ङ) परार्थव्यापृतिर्वैयावृत्त्यम्।

(च) नार्त्तरौद्रे तपः।

प्र. 2 निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

(क) आश्रव कर्मबन्ध का हेतु किसे कहा गया है?

(ख) शुभयोग को आश्रव और निर्जरा का कारण क्यों कहा गया है?

(ग) एषणा समिति की परिभाषा बताते हुए उसके प्रकारों का वर्णन करें।

(घ) सम्यक्त्व के कितने व कौन-कौन से अतिचार हैं अर्थ सहित लिखें।

(ङ) ईषत्प्राग्भारा पृथ्वी का वर्णन करें।

(च) द्रव्य पुण्य-पाप व भाव पुण्य-पाप किसे कहते हैं?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) प्रायश्चित्त को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) दोनों व्याख्या द्वारा सिद्ध करें कि अशुभ कर्म को पाप कहते हैं।

(ग) करण के प्रकारों का वर्णन करें।

गमा का थोकड़ा - 70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) सूचीकलाप किसका संस्थान है और कलाप शब्द का क्या अर्थ है?

(ख) पृथ्वीकाय में स्थावरकाय की उत्पत्ति में जघन्य स्थिति किस अपेक्षा से समझनी चाहिए?

(ग) पृथ्वीकाय में वायुकाय की उत्पत्ति में प्रथम तीन गमक में समुद्घात 4 दिये गये हैं और 4, 5, 6 में तीन दिये गये, ऐसा क्यों?

(घ) पृथ्वीकाय में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति में 4, 5, 6 गमकों में योग एक काय का ही क्यों लिया गया है?

(ङ) पृथ्वीकाय में असुरकुमार की उत्पत्ति में जघन्य-उत्कृष्ट भव दो ही क्यों है?

(च) तीन विकलेन्द्रिय में अपकाय की उत्पत्ति में प्रथम तीन गमक में लेश्या चार किस अपेक्षा से दी गई है?

(छ) तीन विकलेन्द्रिय में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति में प्रथम व अन्तिम तीन गमक का आयु द्वार लिखें।

प्र. 5 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) तीन विकलेन्द्रिय में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति के अंतिम तीन गमक का अवगाहना द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ख) तीन विकलेन्द्रिय में चतुरिन्द्रिय की उत्पत्ति में दृष्टि द्वार को अपेक्षा भेद से लिखें।

(ग) तीन विकलेन्द्रिय में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में 4, 5, 6 गमक के नाणता का अन्तिम तीन गमक के नाणता से अन्तर लिखें।

(घ) यंत्र 89 में तीसरे गमक औघित-उत्कृष्ट का स्वतंत्र कथन क्यों किया गया है?

(ङ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति यंत्र का नाणता लिखें।

(च) आठवें देवलोक सहस्त्रार के देवों की आयु और अवगाहना कितनी होती है?

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 54

(क) पृथ्वीकाय में वनस्पतिकाय की उत्पत्ति यंत्र के अन्तिम छः गमकों का उपपात द्वार, परिमाण द्वार व लेश्या द्वार लिखें।

(ख) पृथ्वीकाय में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र का दृष्टि द्वार से लेकर कषाय द्वार तक लिखें।

(ग) चार स्थावर में अपकाय के यंत्र में तेजस में अप का भव व कायसंवेध द्वार लिखें।

(घ) चार स्थावर में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र के अन्तिम तीन गमक का कायसंवेध द्वार का जघन्य काल लिखें।

(ङ) यंत्र 56 का उपपात द्वार, संहनन द्वार तथा अवगाहना द्वार लिखें।

(च) तीन विकलेन्द्रिय में तेजस्काय की उत्पत्ति यंत्र के प्रथम व अन्तिम तीन गमक का कायसंवेध द्वार लिखें।

(छ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में तीसरी नरक के नैरयिक की उत्पत्ति यंत्र का अवगाहना, लेश्या व अनुबंध द्वार लिखें।

(ज) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में वनस्पतिकाय की उत्पत्ति यंत्र में वेद द्वार से लेकर नाणता द्वार तक लिखें।

(झ) यंत्र 92 का ज्ञान-अज्ञान द्वार, योग द्वार व नाणता लिखें।

(ञ) यंत्र 96 का भव तथा कायसंवेध द्वार लिखें।

(ट) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में सातवें शुक्र देवलोक से उत्पत्ति यंत्र के प्रथम तीन गमक का उपपात, अवगाहना, परिमाण व अनुबंध द्वार लिखें।